ज़ायद बही नं० -

जिलद—बाबत महकमा सब-रजिस्ट्रार

कीमत अशटाम्प नोट:—यह ख़ाना इस किसम के नोटों के लिये भी इस्तेमाल हो सकते हैं जो मामूली किताब नं० 4 के खाना कैफियत में लिखे जाते हैं	नम्बर शुमार अन्दराज मुआमले केमालीयत और नोईयत और कीमत रजिस्ट्री व दीगर रसूम और तावान वसूल शुदा R.No. 106
इस्टाम कुल कीमती किमान पांच रुपये शब्द 50/- हैं	R.F. = 50.00 C.F. = 3.00 Total = 53.00

New Art Press JUC. 2074 Reg.

... Government Judicial Paper

...मा जुज़ 1

...मदीन उमर 70 साल वल्द हीरा वल्द काहनासकना ...ान इस्कादार प्लौट नं० 15 A वाक्या रौड़ा सैक्टर बिलासपुर टाउन परगना व तैहसील सदर ज़िला ... हिमाचल प्रदेश का है, जो के मुज़हर ज़ईफ़ व ...ल्स है और कुछ अरसा से मामूली बिमार रहता चला आता है इस लिये हर हाल में ...की खिदमत व परवरिश का मोहताज है, मुज़हर ...सरान बीरदीन, रोशनदीन, लालदीन, शम्मी खां, ..., साबर खां व 2 दुख्तरान मु० ज़मीदा खानम, ...ख़ानम व ज़ौजा मु० हुसैनी मौजूद हैं, मुज़हर ...खुद में से बीरदीन, रोशनदीन, लालदीन पिसरान ...ीदा खानम दुख्तर खुद की शादीयां भी कर चुका ...सैनी ज़ौजा मुज़हर भी ज़ईफ़ व लागर हो ... बिमार होती रहती चली आने से दीगरान की ... व परवरिश की मोहताज हो चुकी है, मुज़हर ...रान बीरदीन, रोशनदीन, लालदीन शादीयां ...बरसरे कार होने से नाफ़रमाबरदार मुज़हर हो ...पना कुनबा ले कर मुज़हर से अलैहदा हो ..., और नानी खुद के पास चले गये हुये हैं, ... मु० हुसैनी ज़ौजा मुज़हर की ऐसी हालत में ...ज़मीदा खानम दुख्तर मुज़हर बावजूद के शादीशुदा ... बरख़ाना मुज़हर भी आती

...ामा जुज़ 2

... कर हस्ब तौफ़ीक मुज़हर व ज़ौजा मुज़हर की ...ल करती आती है वहीं ज़ाहिदा खानम दुख्तर ...ी हस्ब तौफ़ीक मुज़हर व ज़ौजा मुज़हर की ...ल कर रही है जब के शम्मी खां, हबीब खां ...बर खां पिसरान मुज़हर हर तरह से मुज़हर व ...सैनी ज़ौजा मुज़हर की देख भाल व खिदमत व ... करते व इलाज मुआलजा करवाते चले आते ... बसूरत मुज़हर के ना रहने पर ज़ाहिदा खानम दुख्तर मुज़हर की शादी भी खुशअसलूबी से करना मन्ज़ूर व कबूल करते आते हैं, मुज़हर व ज़ौजा मुज़हर खिदमात शम्मी खां, हबीब खां, साबर खां व मु० ज़मीदा खानम, ज़ाहिदा खानम मज़कूरान से उन की

(नकल)

700508 A. Himachal Government Judicial Paper

वसीयत नामा जुज़ 1

मनके रैहमदीन उमर 70 साल वल्द हीरा वल्द काहना सकना मकान दुकान सादा दर प्लौट नं 15 A वाकया रौड़ सैक्टर नं 3 न्यू बिलासपुर टाऊन परगना व तैहसील सदर ज़िला बिलासपुर हिमाचल प्रदेश का है, जो के मुज़हर ज़ईफ़ व लाग़र शख़्स है और कुछ अर्सा से मामूली बिमार भी होता रहता चला आता है इस लिये हर हाल में दीगरान की ख़िदमत व परवरिश का मोहताज है, मुज़हर के 6 पिसरान बीरदीन, रोशनदीन, लालदीन, शम्मी खां, हबीब खां, साबर खां व 2 दुख़्तरान मु ज़मीदा ख़ानम, ज़ाहिदा ख़ानम व ज़ौजा मु हुसैनी मौजूद हैं, मुज़हर बच्चगान ख़ुद में से बीरदीन, रोशनदीन, लालदीन पिसरान व मु ज़मीदा ख़ानम दुख़्तर ख़ुद की शादीयां भी कर चुका है मु हुसैनी ज़ौजा मुज़हर भी ज़ईफ़ व लाग़र हो अक्सर बिमार होती रहती चली आने से दीगरान की ख़िदमत व परवरिश की मोहताज हो चुकी है, मुज़हर के पिसरान बीरदीन, रोशनदीन, लालदीन शादीयां होते ही बरसरे कार होने से नाफ़रमाबरदार मुज़हर हो अपना अपना कुनबा ले कर मुज़हर से अलैहदा हो चुके हैं, और नानी ख़ुद के पास चले गये हुये हैं, मुज़हर व मु हुसैनी ज़ौजा मुज़हर की ऐसी हालत में जहां मु ज़मीदा ख़ानम दुख़्तर मुज़हर बावजूद के शादीशुदा होने के बख़ाना मुज़हर भी आती

मुज़हर मौसूफ़ रैहमदीन
कलमबन्द

वसीयत नामा जुज़ 2

जाती रह कर हस्ब तौफ़ीक मुज़हर व ज़ौजा मुज़हर की देख भाल करती आती है वहीं ज़ाहिदा ख़ानम दुख़्तर मुज़हर भी हस्ब तौफ़ीक मुज़हर व ज़ौजा मुज़हर की देख भाल कर रही है जब के शम्मी खां, हबीब खां व साबर खां पिसरान मुज़हर हर तरह से मुज़हर व मु हुसैनी ज़ौजा मुज़हर की देख भाल व ख़िदमत व परवरिश करते व इलाज मुआलजा करवाते चले आते हैं वह बसूरत मुज़हर के ना रहने पर ज़ाहिदा ख़ानम दुख़्तर मुज़हर की शादी भी ख़ुश असलूबी से करना मन्ज़ूर व कबूल करते आते हैं, मुज़हर व ज़ौजा मुज़हर ख़िदमात शम्मी खां, हबीब खां, साबर खां व मु ज़मीदा ख़ानम, ज़ाहिदा ख़ानम मज़कूरान से उन की

9/8/90

स्टाम्प मालीयती .... [illegible] .... रुपये
कीमत .... 5 .... रुपये है।
[illegible] .... 8.44 .... है।

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (H.P.)
9/8/90

मसौदा [illegible] पुत्र [illegible] 510 हीरा
कस्बा [illegible] परगना [illegible] तहसील [illegible]
जिला बिलासपुर हिमाचल प्रदेश ने आज दिनांक 9-8-90
तदानुसार 18 श्रावण 1912 बरोज वीरवार
समय 3.30 बजे दिन कार्यालय सब रजिस्ट्रार
सदर में बराये रजिस्ट्रेशन पेश किया।

पेश कर्ता

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur
9/8/90

R.T.I.
[illegible]

मैं प्रमाणित करता हूं कि पेश कर्ता ने अंगूठा निशान
मेरे सामने लगाया है।

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (H.P.)
9/8/90

№ 683693 A 2 9 8 9 **Himachal Government Judicial Paper**

ख़िदमात के मुताबिक ही खुश है, मुज़हर व ज़ौजा मुज़हर को आइन्दा भी उन से ऐसी ही ख़िदमात करते रहने की तवक्क़ा है, हयात चन्द रोज़ा का कोई भरोसा ना है इस लिये मुज़हर चाहता है के शम्मी खां, हबीब खां, साबर खां वल्दान खानम, ज़ाहिदा खानम मज़कूरान को उन की ख़िदमात के मुताबिक ही कुछ सिल्ला ख़िदमात खुद व ज़ौजा खुद दे, मुसम्मात हुसैनी ज़ौजा मुज़हर भी यही चाहती है, मुज़हर कुछ जायदाद मनकूला व ग़ैर मनकूला वाहद पैदा करदा खुद का मालक, क़ाबिज़ व काबज़ है, सो मुज़हर जायदाद मज़कूरा खुद ख़िदमत गुज़ार बच्चगान खुद को इस तरह देने का ख्वाहां है जिस से के वह अपनी अपनी ख़िदमात मुज़हर व ज़ौजा मुज़हर का सिल्ला पा जावें, इस लिये अब

वसीयत नामा जुज़ 3

मुज़हर बक़ायमी होश व हवास ख़मसा खुद बिला जबर व इकराह व तरग़ीब ग़ैरे किसी किस्म जुमला जायदाद मनकूला व ग़ैर मनकूला हर किस्म खुद की निस्बत हस्ब ज़ैल वसीयत करता है व लिख देता है के जब तक मुज़हर हयात है जुमला जायदाद मनकूला व ग़ैर मनकूला हर किस्म खुद का मालक व काबज़ है बाद वफ़ात मुज़हर जायदाद ग़ैर मनकूला मुज़हर में से इमारत मकान दुकान इस्तादा दर प्लॉट न० 14 वाक्या रौड़ा सैक्टर न० 3 न्यू बिलासपुर टाउन बरूये लीज़ डीड के ग्राउंड फ़्लोर के कमरा दुकान बजानिब पश्चिम व उसके पिछे के 3 कमरों व लैटरीन, रसोई खाना व बाथरूम का शम्मी खां मज़कूर मालक व काबज़ तसव्वर होगा व फ़्रन्ट फ़्लोर के बजानिब पश्चिम सड़क आम को 1 कमरा मेय उसके आगे खाली जगह का साबर खां मज़कूर मालक व काबज़ तसव्वर हो गा, साबर खां मज़कूर के कमरा के पिछे के 2 कमरों व उन के साथ लगती 10 फ़ुट जगह का हबीब खां मज़कूर मालक व काबज़ तसव्वर हो गा, नीज़ हबीब खां मज़कूर की फ़र्स्ट फ़्लोर की खाली जगह 10 फ़ुट के बाद की बाकी खाली जगह बजानिब पूर्व तक़रीबन 10 फ़ुट का भी साबर खां मज़कूर मालक व काबज़ तसव्वर हो गा, साबर खां

9/8/90

वसीका बख्शीशनामा हुआ श्री रघुनदीन
हुरूफ ब हरूफ पढ़कर सुनाया व समझाया गया। जिसने
इस वसीका की तमाम तहरीर व तकमील को सुन व
समझकर सही तसलीम किया। इसकी शनाख्त
श्री सीता राम करते हैं। जिनसे मैं स्वयं परिचित हूं। लिहाजा वसीका हजा तस्दीक किया जाता है दर्ज रजिस्टर होवे।

चपड़ासी कार्यालय तहसीलदार (घुमारवीं)

पेश कर्ता ---- शनाख्त कर्ता

L.T.I.
रघुनदीन

सीताराम

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (H.P.)
9/8/90

मैं प्रमाणित करता हूं कि पेश कर्ता ने अंगुठा निशान मेरे सामने लगाया है।

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (H.P.)
9/8/90

№ 789973 1989 **Himachal Government Judicial Paper**

व हबीब खां मज़कूरान के फर्स्ट फ्लोर के कमरों के
ऊपर की जगह भी जिस जिस के कमरों

वसीयत नामा जुज़ ४

के ऊपर हो गी उस उस की ही मलकीयत व मकबूज़ा तसव्वर हो गी, साबर खां व हबीब खां मज़कूरान अपने फर्स्ट फ्लोर से सिढ़ीयां उतरने के लिये अपने कमरों से रास्ता गुज़र बराबर गैलरी बजानिब दक्षिण को रखें गे, जिस को दोनों के परिवार इस्तेमाल में लावें गे, नीज़ प्लॉट नं० १५ अ मज़कूरा की तेह ज़मीन का भी शम्मी खां मज़कूर बकमिल मुज़हर मौसी के लैसी व काबज़ तसव्वर हो गा, नीज़ मुज़हर की जायदाद गैर मनकूला बकिस्म अराज़ी वाक्या बामटा परगना सदर की मुसम्मा ज़मीदा खानम व ज़ाहिदा खानम मज़कूरीमान दुख़्तरान मुज़हर बहिस्सा मुसावी मालकान व काबज़ान तसव्वर हों गी, नीज़ मुज़हर की जुमला जायदाद मनकूला व दीगर जो कोई भी जायदाद गैर मनकूला अन्दरून न्यू बिलासपुर टाऊन परगना व तैहसील सदर ज़िला बिलासपुर हिमाचल प्रदेश या दीगर जहां कहीं भी वाक्या हो का भी शम्मी खां मज़कूर ही वाहद मालक व काबज़ तसव्वर हो गा, दीगर किसी भी शख़्स का कोई ताल्लुक व वास्ता किसी किस्म किसी जायदाद मुज़हर मौसी से ना हो गा, और हर दीगर वारस मुज़हर मौसी जायदाद हर किस्म मुज़हर मौसी से मेहरूम तसव्वर हो गा, शम्मी खां, साबर खां, हबीब खां पिसरान व मुसम्मा ज़मीदा खानम, ज़ाहिदा खानम दुख़्तरान रैहमदीन वल्द हीरा सकना रौड़ा सैक्टर नं० ३ न्यू बिलासपुर टाऊन परगना व तैहसील सदर ज़िला बिलासपुर हिमाचल प्रदेश मौसीइल्हुम मज़कूरान ही हस्ब सराहत

रैहमदीन, मौसी मज़कूर
बकलम खुद

वसीयत नामा जुज़ ५

मुतज़िकरा बाला कामल मालकान व लैसीव काबज़ान जुमला जायदाद मनकूला व गैर मनकूला हर किस्म मुज़हर मौसी के हों गे, किसी भी दीगर शख़्स को मुज़हर मौसी के वसीयत नामा हज़ा को तबदील या तनसीख़ करवाने का कोई हक हासल ना हो गा, मुज़हर मौसी ने पेशतर कोई दस्तावेज़ वसीयत नामा

Sub Registrar Sadar
Dist. Bilaspur
9/8/90

№ 789991 1989 **Himachal Government Judicial Paper**

तैहरीर ना कराई है इस लिये वसीयत नामा हज़ा से
पेशतर की हर दस्तावेज़ वसीयत नामा मिन्जानिब
मुज़्हर मौसी जाली व फ़र्जी होने से रद्द तसव्वर
हो गी और वसीयत नामा हज़ा पर पुरा पुरा अमल
हो गा. लेहज़ा वसीयत नामा हज़ा लिख दिया के
सन्द रहे / तैहरीर 8/4/90.

गवाह शुद	अलबद	गवाह शुद
रूपलाल वल्द चन्दूराम वल्द नानकू सकना लुहरार (बेड़ीधार) परगना व तैहसील सदर ज़िला बिलासपुर हिमाचल प्रदेश Rupl... chand	रैहमदीन, मौसी मज़कूर	चरागदीन वल्द सदरदीन वल्द गुहड़ू सकना रौड़ा सैक्टर नं. 2 न्यू बिलासपुर टाउन परगना व तैहसील सदर ज़िला बिलासपुर हिमाचल प्रदेश

हस्ब मुराद सायल लिखा गया सुन समझ कर दस्खत तसलीम किया / लेखक हरबंस सिंह अराइज़ व वसायक नवीस बिलासपुर (464 8/4/90) मोहर
(नोट) वसीयत नामा हज़ा 1091 अलफ़ाज़ पर मुशतमल है

तस्दीक
नकल मुताबिक असल है कोई लफ़्ज़ कटा फटा मशकूक या कम व बेश ना है।
नकल कुनिन्दा हरबंस सिंह अराइज़ व वसायक नवीस बिलासपुर शामल 465 8/4/90

Registered at No. 160 in Book 3
Volume No. 91 on page/pages 89 to 91
[illegible] 8 — 1990

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (M.P.)
9/8/90